नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

खतरा बनता जा रहा है प्लास्टिक

यह अच्छी खबर नहीं है कि पर्यावरण को दूषित करने के पश्चात प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण अब मानव अंगों में भी प्रविष्ट हो चुके हैं.मस्तिष्क और हृदय में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है. प्लेसेंटा (नाल) और मां के दूध में भी प्लास्टिक के कण मिले हैं. इस वर्ष की शुरुआत में हुए एक बड़े अध्ययन में हृदय की अवरुद्ध धमनियों में जमा वसा के 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सों में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए थे. यह माइक्रोप्लास्टिक और मानव स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव के बीच संबंध स्थापित करने वाला अपनी तरह का पहला डेटा था.अब चीन के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में हृदय और मस्तिष्क की धमनियों तथा निचले पैरों की नसों से शल्य चिकित्सा द्वारा निकाले गए रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की जानकारी दी है. इस चीनी अध्ययन में 30 रोगियों को शामिल किया गया जबकि मार्च में प्रकाशित इतालवी अध्ययन में 34 महीनों तक 257 रोगियों का अनुसरण किया गया था. इतालवी विज्ञानियों की नेतृत्व वाली टीम ने पता लगाया था कि धमनियों की जमावट अथवा प्लेक में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी लोगों में दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है.अब चीनी टीम ने भी रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक के स्तर और बीमारी की गंभीरता के बीच संभावित संबंध को रेखांकित किया है. अध्ययन में शामिल 30 रोगियों को स्ट्रोक, दिल का दौरा या डीप वेन थ्रोम्बोसिस का अनुभव होने के बाद रक्त के थक्कों को हटाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी. डीप वेन थ्रोम्बोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों की गहरी नसों में रक्त के थक्के बनते हैं.

अध्ययन में सम्मिलित औसतन 65 वर्ष की आयु के रोगियों में उच्च रक्तचाप या डायबीटिज जैसी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थी और उनकी जीवनशैली में धूम्रपान और शराब का सेवन शामिल था. वे प्रतिदिन प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग करते थे. रक्त के 30 थक्कों का अध्ययन किया गया. इनमें से 24 में रासायनिक विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न आकारों के माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया गया। परीक्षण में उसी प्रकार के प्लास्टिक की पहचान की गई जो इतालवी अध्ययन में पाए गए थे.ये प्लास्टिक हैं पॉलीविनाइल क्लोराइड और पॉलीइथिलीन.यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि पीवीसी का अक्सर निर्माण में उपयोग किया जाता है. ये दो सबसे अधिक उत्पादित प्लास्टिक हैं. नए अध्ययन में थक्कों में 'पॉलियामाइड 66' का भी पता चला, जो कपड़े और वस्त्रों में इस्तेमाल होने वाला एक आम प्लास्टिक है.अध्ययन में पहचाने गए 15 प्रकारों में से, पीई सबसे आम प्लास्टिक था.विश्लेषित कणों में इसका हिस्सा 54 प्रतिशत था. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन लोगों के रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर अधिक था, उनमें डी-डिमर का स्तर भी उन रोगियों की तुलना में अधिक था,जिनके रक्त थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक नहीं पाया गया था. डी-डिमर प्रोटीन का एक टुकड़ा है जो रक्त के थक्कों के टूटने पर निकलता है.यह सामान्य रूप से रक्त प्लाज्मा में मौजूद नहीं होता है. इसलिए रक्त परीक्षण में डी-डिमर का उच्च स्तर रक्त के थक्कों की उपस्थिति का संकेत दे सकता है.

शोधकर्ताओं को संदेह है कि माइक्रोप्लास्टिक रक्त में जमा होकर थक्के को बदतर बना सकता है.मानव स्वास्थ्य के लिए माइक्रोप्लास्टिक नुकसानदेह है.लेकिन इसकी जांच के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है. चीनी विज्ञानी टिंगटिंग वांग और उनके सहयोगियों ने अपने पेपर में लिखा है कि उनके निष्कर्ष बताते हैं कि माइक्रोप्लास्टिक धमनियों और नसों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा जोखिम कारक हो सकते हैं. शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी कि पर्यावरण और रोजमर्रा के उत्पादों में माइक्रोप्लास्टिक की सर्वव्यापकता के कारण मानव का माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क में आना अपरिहार्य है. अतः दुनिया को प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाना पड़ेगा.अमेरिका के न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए शोध में कुत्तों और मनुष्यों, दोनों से लिए गए अंडकोष के ऊतक के नमूनों की जांच की गई. शोधकर्ताओं ने प्रत्येक नमूने में माइक्रोप्लास्टिक पाया, जिसकी प्रचुरता कुत्तों की तुलना में मनुष्यों में लगभग तीन गुना अधिक थी.टीम ने कुत्तों में ऊतक के प्रति ग्राम औसतन 122.63 माइक्रोग्राम माइक्रोप्लास्टिक पाया. मनुष्यों में यह मात्रा प्रति ग्राम 329.44 माइक्रोग्राम थी.

प्लास्टिक प्रदूषण हमारे शरीर के हर हिस्से में कैसे प्रवेश कर रहा है, एक चिंताजनक सवाल उठता है कि क्या प्लास्टिक के सूक्ष्म टुकड़े पुरुष प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं? पर्यावरण स्वास्थ्य वैज्ञानिक ज़ियाओज़ोंग यू कहते हैं, शुरुआत में मुझे संदेह था कि माइक्रोप्लास्टिक प्रजनन प्रणाली में प्रवेश कर सकता है. जब मुझे पहली बार कुत्तों के लिए परिणाम मिले तो मैं हैरान रह गया.पहचाने गए 12 अलग-अलग प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक में से, शोधकर्ताओं को कुत्तों और मनुष्यों दोनों में पॉलीइथिलीन प्लास्टिक सबसे ज्यादा मिला जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक की बोतलों के निर्माण में होता है. अब प्लास्टिक दुनिया भर में शुक्राणुओं की संख्या में कमी लाने में नकारात्मक भूमिका निभा सकता है. शुक्राणुओं की कमी को पहले से ही भारी धातुओं, कीटनाशकों और कई तरह के रसायनों से जोड़ा गया है.हालांकि, कुत्तों में देखे गए पीवीसी के इन परिणामों को पुरुषों में भी दोहराए जाने की आवश्यकता होगी, ताकि हम समझ सकें कि क्या मनुष्यों में भी ऐसा ही हो रहा है.

नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद

राहुल की होगी असली अग्निपरीक्षा

जब दूसरी बार ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष चुने गए, तो एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी और दूसरी तरफ संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सम्मान स्वरूप उन्हें उनकी सीट तक छोड़कर आए. भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अपने दावों से काफी कम सीटें हासिल की और कांग्रेस ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया, तभी से यह तय हो गया था कि 10 साल बाद विपक्ष को लोकसभा के अंदर नेता प्रतिपक्ष मिलेगा, जो संभवतः राहुल गांधी होंगे. पिछले 10 वर्षों से सक्रिय राजनीति का कांग्रेसी स्तंभ होते हुए भी उन्होंने अभी तक कोई संवैधानिक पद नहीं लिया था और नेता प्रतिपक्ष बनने को लेकर अपनी अरुचि दिखा रहे थे. अंततः राहुल गांधी ने जिद छोड़ी और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष बनना स्वीकार किया.

पीएम के बाद दूसरे ताकतवर नेता

पिछली दो लोकसभाओं की तरह इस बार सरकार संसद में प्रतिपक्ष की अनदेखी नहीं कर सकती. लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह की तेजतर्रार राजनीति करते हैं, उस कारण यह संभव ही नहीं है कि मौजूदा सरकार सहम-सहमकर अपने फैसले करे या राजनीतिक निर्णय ले. दूसरी तरफ यह राहुल गांधी के लिए भी कठिन परीक्षा का समय है. अभी तक वह किसी तरह की जिम्मेदारी से मुक्त थे, सड़क की राजनीति करते थे, इसलिए वहां उन्हें अतिरिक्त रूप से आक्रामक होने का मौका मिलता था और उसे विपक्ष के राजनेता और देश के लोग स्वीकार भी करते थे. लेकिन अब राहुल गांधी को उस तरह की बेफिक्री से बचना होगा, क्योंकि वह 543 सदस्यीय लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के बाद संवैधानिक रूप से दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति हैं. वह गांधी परिवार के तीसरे नेता प्रतिपक्ष हैं और पिछले 2 बार की संसद में कांग्रेस के बुरे प्रदर्शन के कारण संसद में नेता प्रतिपक्ष नहीं था. अब संसद में मजबूत प्रतिपक्ष है और प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी राहुल गांधी जैसा तेजतर्रार और बेखौफ नेता है. जिस कारण पिछली सरकारों के जानबूझकर दिखाए जा रहे तेवरों के बावजूद अब संसद में प्रतिपक्ष की सुनी जाएगी. राहुल गांधी, लोकपाल, सीबीआई प्रमुख, मुख्य निर्वाचन आयुक्त व निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति में हिस्सेदार होंगे. वह केंद्रीय सूचना आयुक्त, एनएचआरसी प्रमुख की चयन संबंधी समितियों में भी होंगे और उनका कद एक सामान्य राजनेता से ज्यादा वजनदार होगा. ऐसे में राहुल गांधी की अब तक की राजनीति को देखते हुए यह कठिन परीक्षा होगी कि वह कैसे संसद में अपनी छाप छोड़ते हैं और विपक्ष को एकजुट रखते हैं. भाजपा ने पहले जहां लगभग पिछले मंत्रिमंडल को दोहराया, वहीं हर तरह की आशंकाओं के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष के पद पर भी प्रधानमंत्री मोदी के चहेते ओम बिरला ही लौटे. एक अर्थ में यह विपक्ष के लिए हतोत्साहित करने वाला सच था. लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के पहले विपक्ष ने ओम बिरला को लेकर इतना ज्यादा शोर मचा दिया था कि स्पष्ट संख्या बल के बावजूद यह लगने लगा था कि अगर ओम बिरला फिर से इस पद पर पहुंचते हैं तो यह प्रतिपक्ष के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए भी मायूस करने वाला मौका होगा. लेकिन राजनीति अंततः संख्या बल की बदौलत ही चलती है और वह सरकार के पास है. उसने स्पष्ट रूप से प्रतिपक्ष की इस मांग को ठुकरा दिया कि लोकसभा अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाने के लिए उपाध्यक्ष का पद इंडिया गठबंधन को दिया जाए.

विपक्ष की आवाज सुनाई देगी

इस जंग में ओम बिरला का जीतना पहले से ही लगभग सौ फीसदी तय था. सुनिश्चित हार के बावजूद सार्वजनिक रूप से चुनाव लड़ना एक तरह से लोकतांत्रिक व्यवस्था पर अपनी मजबूत सहमति जताना है. इसलिए इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधि के. सुरेश का तय हार के बावजूद चुनाव लड़ना लोकतंत्र की परंपरा को मजबूत करने वाला कदम था. ऐसे में इस लोकसभा का सबसे प्रभावशाली और लोकतांत्रिक मजबूती दर्शाने वाला दृश्य तो यही था कि जब प्रधानमंत्री मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक दूसरे के धुर विरोधी होते हुए भी लोकसभा अध्यक्ष को ससम्मान उनकी सीट तक छोड़ने गए और इस दौरान संसद के दो सबसे ताकतवर नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष को बधाई देने के दौरान जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, उससे भी दोनों की राजनीतिक प्रतिवद्धताएं स्पष्ट दिखीं. प्रधानमंत्री मोदी ने चुने गए लोकसभा अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा, हम सभी को विश्वास है कि आने वाले 5 साल आप हमारा मार्गदर्शन करेंगे. – नरेंद्र शर्मा

विश्वास बहाल करने के लिए आवश्यक कदम जरूरी

परीक्षा के प्रति निष्ठा सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक, आईआईएम

प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्ठा के बारे में बढ़ती चिंताओं के जवाब में, हमारी सरकार ने मुद्दों के समाधान के लिए तेजी से निर्णायक कार्रवाई की है. एनईईटी पीजी परीक्षा को स्थगित करने, छह शहरों में एनईईटी यूजी की पुनर्परीक्षा के दौरान पेपर लीक के आरोप तथा हाल ही में यूजीसी नेट के पेपर लीक होने जैसी घटनाओं ने इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के बारे में देश भर के छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा कर दिया है. भारत सरकार के सक्रिय कदमौ में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष नेतृत्व को बदलना और विशेषज्ञ समितियों की स्थापना करना शामिल हैं, जो विश्वास बहाल करने और परीक्षा प्रक्रिया की निष्ठा सुनिश्चित करने के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं. ये कार्य केवल तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये कदम सभी छात्रों में विश्वास को फिर से बहाल करने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के संदर्भ में दीर्घकालिक रणनीति का भी संकेत देते हैं.

परीक्षा का पारदर्शी, सुचारु और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है. इस समिति का लक्ष्य दो महीने के भीतर कार्रवाई योग्य सिफारिशें देना है, जो परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार करेगी, डेटा सुरक्षा के तौर-तरीकों को बेहतर बनायेगी और अविष्य में उल्लंघनों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा के लिए एनटीए को प्रभावी रूप से पुनर्गठित करेगी. इसके अलावा, सीबीआई की आगीदारी एक गहन, निष्पक्ष जांच के प्रति कटिबद्धता को दर्शाती है, जो न केवल जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी, बल्कि उन प्रणालीगत कमजोरियों को भी उजागर करेगी, जिनकी वजह से इस तरह के उल्लंघन होते हैं. इसके अतिरिक्त, सरकार ने अनुचित प्रथाओं को रोकने और संभावित गलत काम करने वालों में भय पैदा करने के लिए सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पेश किया है. इस अधिनियम में, परीक्षा की सत्यनिष्ठा से समझौता करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और 10 साल तक की कैद सहित कठोर दंड का प्रावधान किया गया है. ये कठोर उपाय, एक मजबूत निवारक संदेश देने और सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं.

तत्काल कार्रवाई ठोस और आवश्यक है, जबकि परीक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक सुरक्षा और निष्ठा सुनिश्चित करने के लिए आगे के कदम महत्वपूर्ण हैं. ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए, अत्याधुनिक एन्क्रिप्शन तकनीकों और बहु-स्तरीय प्रमाणीकरण को लागू करने से अनधिकृत पहुंच से सुरक्षा मिल सकती है. परीक्षा-पेपर के निर्माण से लेकर मूल्यांकन तक निगरानी करने और इसे सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा सकता है, ताकि किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता लगाना सुनिश्थित किया जा सके.पारंपरिक, ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए, हर चरण में कड़े सुरक्षा उपाय महत्वपूर्ण हैं. इनमें परीक्षा सामग्री के लिए छेड़छाड-रोधी पैकेजिंग, सुरक्षित परिवहन और सभी रख-रखाव बिंदुओं पर कड़ी जांच शामिल हैं. लॉजिस्टिक्स के लिए वास्तविक-समय पर जीपीएस निगरानी तथा डिजिटल वॉटरमार्किंग का उपयोग करना भी पेपर लीक के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है. एआई-संचालित निरीक्षण प्रणाली का उपयोग करके परीक्षाओं की निगरानी को बेहतर किया जा सकता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना भी कम हो जायेगी. बायोमेट्रिक सत्यापन यह सुनिश्चित कर सकता है कि उम्मीदवार वही हैं, जो वे होने का दावा कर रहे हैं. इससे परीक्षा प्रक्रिया में सुरक्षा की एक और परत जुड़ जायेगी.

> भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं का भविष्य, निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में तैयार की गई अभिनव रणनीतियों पर टिका है. जैसे-जैसे डिजिटल तकनीकें शिक्षा को आकार दे रही हैं, मजबूत डिजिटल सुरक्षा उपायों को अपनाना एक महत्वपूर्ण अनिवार्यता हो गयी है. ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए अत्याधुनिक एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल और कठोर प्रमाणीकरण व्यवस्था का कार्यान्वयन साइबर खतरों और अनधिकृत पहुंच के खिलाफ एक मजबूत बचाव होगा. यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल मूल्यांकन की निष्पक्षता की रक्षा करता है, बल्कि हितधारकों के बीच विश्वास भी विकसित करता है. डेटा विश्लेषण और पूर्वानुमान आधारित मॉडलिंग में प्रगति को अपनाने से परीक्षा लॉजिस्टिक्स एवं संसाधन आवंटन को और अधिक अनुकूल बनाया जा सकता है. इनके जरिये प्रशासनिक व्यवस्था को निर्वाध बनाया जा सकेगा और परिचालन चुनौतियों को कम किया जा सकेगा.

चीन की कठपुतली बनते पड़ोसी देश

भारत के सभी पड़ोसी देशों को चीन किसी न किसी दबाव या प्रलोभन के जरिए अपने जाल में फंसा रहा है. इन देशों के नेताओं को भारत विरोधी बयान देते देखा जाता है. मालदीव के शासक मुइज्जू ने ऐसा ही इंडिया आउट रुख अपनाया था. जब भारत ने पर्यटकों को मालदीव की बजाय लक्षद्वीप या अन्यत्र जाने को कहा तो मुइज्जू को आटे-दाल का भाव याद आ गया क्योंकि उसके देश की कमाई पर्यटन से ही होती है. मुइज्जू का चीन के प्रति गहरा झुकाव है. हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक उपस्थिति मजबूत करने के लिए चीन मालदीव और श्रीलंका का इस्तेमाल कर रहा है. श्रीलंका इसलिए दब रहा है क्योंकि चीनी कंपनियों ने उस पर कर्ज का बोझ लाद दिया है. ये कंपनियां बहुत ऊंची ब्याजदर वसूल करती हैं और कर्जदार देश के संसाधनों को अपने कब्जे में लेने में चीन कामयाब हो जाता है. श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह या पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है. चीन ने अपना जासूसी जहाज श्रीलंका भेजा था जिसका उद्देश्य भारत के रक्षा संस्थानों की टोह लेना था. अब नेपाल जैसे छोटे उत्तरी पड़ोसी देश ने फिर भारत को आंखें दिखाई हैं. नेपाल के कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भारत के लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख दर्रा सहित महाकाली नदी के पूर्व के सभी क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा बताया है. इसके लिए उन्होंने 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई सुगौली संधि का हवाला दिया. इसके पहले मई 2020 में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली नेपाल सरकार ने भी इन तीनों क्षेत्रों को अपना बताते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया जताई थी. इसी तरह बांग्लादेश भी था, जिस चीन के चंगुल में फंसता जा रहा है. वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना अगले महीने चीन दौरे पर जा रही हैं. वह चीन से 5 अरब डॉलर सहायता की मांग करेंगी. चीन भी बांग्लादेश को श्रीलंका के समान कर्ज के बोझ से लादकर उसके संसाधनों पर कब्जा कर सकता है. कहीं चीन अपनी नौसेना के लिए बांग्लादेश के बंदरगाह न मांग ले! वैसे भी भारत का 50 से ज्यादा नदियों पर बांग्लादेश के साथ जल विवाद है. बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, बांग्लादेशी तस्करों द्वारा भारत से मवेशी ले जाने, बीएसएफ से झड़प जैसे कितने ही मुद्दों का हल बकाया है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मान-सम्मान में हो गई वृद्धि, गाड़ी-बंगला के साथ मां भी!

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, पुरानी फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन अपने छोटे भाई की भूमिका निभा रहे शशि कपूर से कहते हैं- मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, शोहरत है, तुम्हारे पास क्या है? एक पुलिस इंस्पेक्टर की मामूली सी नौकरी? इस पर शशि कपूर का सार्थक और चुप करा देनेवाला जवाब रहता है- मेरे पास मां है!

हमने कहा, सलीम- जावेद के इस पुराने डायलॉग को इस समय याद करने की क्या जरूरत? जो बात करनी है, अभी की सिचुएशन देखते हुए कहिए. अतीत को भूलकर वर्तमान की चर्चा कीजिए. पड़ोसी ने कहा, इस वक्त लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी के पास एक साथ सारी सुविधाओं का अंबार लग गया है. वे कह सकते हैं कि मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, शोहरत है और साथ में संसद में मां भी हैं. बस बहन के वायनाड से निर्वाचित होकर लोकसभा में आने का इंतजार है.

हमने कहा, फिल्मी संवाद और बच्चन की कलाकारी को आपने राहुल गांधी से जोड़ दिया लेकिन यह सारी सुविधा

सरकारी है. राहुल को नेता प्रतिपक्ष होने के नाते लुटियंस जोन में 8050 वर्गफुट में फैला हुआ आलीशान बंगला, 4 नौकरों के क्वार्टर, 2 गैरेज, बंगले के सामने व पीछे हरा भरा लॉन मिलेगा. इसे वह सरकारी खर्च से और भी सुसज्जित कर सकते हैं. कुछ आल्टरेशन भी करवा सकते हैं. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, राहुल का राजयोग शुरू हो गया है. विरोधी पक्ष के नेता के नाते उन्हें कैबिनेट मंत्री जितना वेतन व सुविधाएं मिलेंगी. उन्हें हर माह 3,30,000 रुपए वेतन, 2000 रुपए सत्कार भत्ता, निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, प्रवास भत्ता, मुफ्त टेलीफोन, बिजली, पानी, परिवार सहित मुफ्त प्रथम श्रेणी ट्रेन प्रवास, वर्ष में 1 दर्जन से ज्यादा बार मुफ्त हवाई यात्रा, सरकारी अस्पताल में मुफ्त इलाज, नई कार खरीदने के लिए पेशगी रकम, कुछ मदों पर आयकर छूट उपलब्ध होगी.

हमने कहा, कांग्रेस 99 सीटें जीतकर 99 के फेर में पड़ गई है. 99 रुपए रखनेवाला हर व्यक्ति उसे पूरे 100 रुपए करना चाहता है. नेता विपक्ष का पद 10 वर्ष से खाली था. अब अपने गांधीमय देश में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी की परंपरा निभाते हुए राहुल गांधी भी एलओपी अर्थात लीडर ऑफ अपोजिशन बन गए हैं. उन्होंने सीना तानकर स्पीकर ओम बिड़ला से हाथ मिलाया जो उन्हें बोलने नहीं देते थे और माइक बंद करा देते थे.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, राहुल की भारत जोड़ो यात्रा रूपी तपस्या सफल हुई. उन्हें पप्पू या नासमझ कहनेवाले बीजेपी के लोगों के मुंह पर ताला लग गया.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11590 - डॉ. सागर खादीवाला

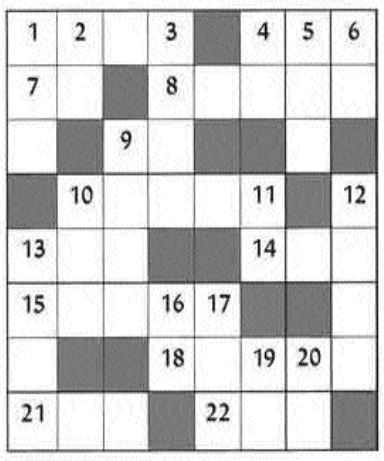

बाएं से दाएं

1. संगीत में स्वरों के ऊपर से नीचे आने का क्रम (सं.) 4. वह चीज़ जिस पर बैठा जाए, बैठने का ढंग 7. केशलता 8. जोहरी 9. नृप, नरेश 10. कमा कर लाने वाला पुत्र 13. वक्त, काल 14. गिरने न देना, ग्रहण करना, रोकना 15. पैर की धूल 18. मन को मोह लेने वाली 21. हाथ से सूत कातने का एक यंत्र 22. कार्य, भाग्य, कृपा

ऊपर से नीचे

1. पृथक, जुदा, भिन्न. 2. बरगद 3. हर किसी से अनुचित प्रेम संबंध स्थापित करने वाला, व्यभिचारिणी (उर्दू) 4. अस्तित्व, होशहवास 5. सिंह 6. जिसके नाखून बड़े-बड़े हों, नख नामक गंधद्रव्य (सं.) 9. वह ग्रंथ जिसमें राम के चरित्रों का वर्णन हो 10. कटि (उर्दू) 11. और, व 12. टालमटोल .13. वास्तव में, वस्तुतः, अवश्य 16. एक प्रकार की विदेशी मदिरा (अं) 17. जन्मदाता 19. मयूर 20. बर्फ, पाला

Solution 11589

ह	र	जा	ना		स	गु	ण
म	द	न		वे	द	ना	
ला		दा	स	ता		ह	म
	ति	र	पा	ल		गा	दी
खा	रा		ट		झ	र	ना
न	हा	ना		मा	ल		
दा		का	पा	लि	क		पा
न	र	म		क	ना	ग	त

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में पारिवारिक विवाद तथा मतभेदों में वृद्धि होगी. भावुकता व जल्दबाजी में निर्णय न लें. स्वास्थ्य गड़बड़ रह सकता है. वर्ष के मध्य में शुभ सूचना प्राप्त होगी. अध्ययन में रूचि एवं व्यस्तता रहेगी. प्रियजनों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में मांगलिक कार्यो में संलग्नता रहेगी. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अध्ययन में रूचि रहेगी, व्यस्तता रहेगी. प्रियजनों का सहयोग बना रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों का मतभेदों का सामना करना होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को सुख रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मांगलिक कार्यो में संलग्न रहेंगे. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को भावुकता व जल्दबाजी में निर्णय लेना हानिकारक रहेगा.

मेष- कोर्ट कचहरी के मामले सुलझेंगे, सामूहिक कार्यो में सबकी सहमति से कार्य करें, राजकीय कार्यो में सफलता मिलेगी, महत्वपूर्ण कार्यो की पूर्ति होगी.

वृषभ- भय से छुटकारा मिलेगा, मित्रों से कहासुनी का दुख होगा, कामकाजी यात्रा का योग है, महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मुलाकात होगी.

मिथुन- उच्च अध्ययन के अच्छे परिणाम आयेंगे, सुख सुविधा पर खर्च होगा, अनावश्यक कार्यो में धन खर्च होगा, आय में कमी हो सकती है.

कर्क- तनाव दूर होगा, विपरीत परिस्थिति में समझौता करना पड़ सकता है, पराक्रम में वृद्धि होगी, नये कार्यो के प्रति रूचि रहेगी.

सिंह- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, जीवनसाथी के व्यवहार से दुख होगा, सामाजिक प्रभाव में वृद्धि होगी, पदोन्नति का योग है.

कन्या- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, जीवनसाथी के व्यवहार से दुख होगा, सामाजिक प्रभाव में वृद्धि होगी, पदोन्नति का योग है.

तुला- मित्रों की मदद से अधूरे कार्य पूरे होंगे, श्रम साध्य कार्यो में समय व्यतीत होगा, दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार प्राप्त होगा.

वृश्चिक- व्यापारिक सौदेबाजी लाभकारी रहेगी, पारिवारिक आयोजन से प्रसन्नता होगी, यश मिलेगा. पद प्रतिष्ठा रहेगी, अनावश्यक विवाद न बढ़ाये.

धनु- प्रियजन की मुलाकात उपयोगी रहेगी, स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, व्यर्थ के विवादों से दूर रहना हितकर रहेगा, खर्च की पूर्ति होगी.

मकर- दूसरों की बातों में आकर अपनों से दूरियां बना लेंगे, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं, शारीरिक सुख एवं पारिवारिक चिन्ता दूर होगी, यश मिलेगा.

कुम्भ- उन्नति के लिये अवसर मिलेंगे.निजी मामलोंमें उत्साह बना रहेगा, किये गये प्रयासों की प्रशंसा होगी, सोचे हुये कार्य में गति आयेगी.

मीन- झूठ बोलकर लोग भ्रमित कर सकते हैं, हक के लिये संघर्ष करना पडेगा, स्वास्थ्य में सुधार होगा, कुछ नये समाचारों की प्राप्ति होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से शांत, गंभीर, तथा महत्वाकांक्षी, अपने कार्यो के प्रति सजग रहने वाला ईमानदार एवं क्रोधी होगा, शिक्षा उत्तम रहेगी, कला और साहित्य के क्षेत्र में अच्छी रूचि रहेगी, माता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

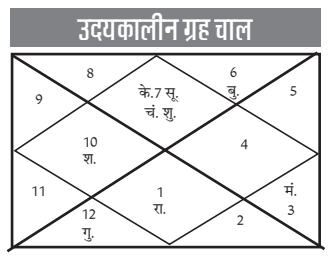

पंचांग

रा.मि. 08 संवत् 2081 आषाढ़ कृष्ण अष्टमीं शनिवासरे दिन 3/12, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे दिन 10/23, शोभन योगे रात 8/51, कौलव करणे सू.उ. 5/13 सू.अ. 6/47, चन्द्रचार मीन, पर्व- श्रीशीतलाष्टमीं व्रत, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

आषाढ़ कृष्ण अष्टमीं को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, सरसों, तिल, तेल, मटर, अरंडी, रूई, सूत, कपास, आदि में तेजी होगी, नारियल, सुपारी, बादाम, दाख, छुहारा, के भाव में साधारण नरमी का रूख रहेगा, बारदाना के भाव में घट बढ़ रहेगी. भाग्यांक 4821 है.

SUDOKU 6722

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 6721

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9